

बिहार-विधान-सभा-वादवृत्त ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार, तिथि २९ सितम्बर, १९५४ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर ।

Short-Notice Questions and Answers.

RAPID FALL IN THE PRICE OF AGRICULTURAL PRODUCTS.

223. Shri BRAJNANDAN SINGH : Will the Irrigation Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there has been a rapid fall in the prices of the agricultural products in the State as well as outside, diminishing the paying capacity of the cultivators in the Canal Zone of the State ;

(b) if the answer to clause (a) be in the affirmative, do Government see the desirability of reconsidering the present canal rates and decreasing it so as to bring canal water within the reach of the average cultivator ;

(c) if the answer to clause (a) be in the negative, will Government be pleased to lay on the table prices of the agricultural products as reported in the years 1952, 1953 and 1954.

Shri RAMCHARITRA SINHA : The question of canal rates has from time to time been raised on the floor of this House. I, therefore, like to make the following statement :—

There has been a great deal of agitation about the enhancement in irrigation rates in some of the districts of the State. For the new irrigation projects completed recently or in the process of execution, calculation of what the proper irrigation rate should be, is easy. The capital has to be raised by borrowings and an interest charge of at least 3½% has to be provided for. The effective life of any major irrigation project would be hardly 100 years. The life of a tube-well is only 15 years. Actually, after about 50 or 60 years, the maintenance cost would become extremely heavy, and after about 100 years the entire project may require complete renovation at a cost almost as high as that of the original project. The provision for depreciation, therefore, ought to be at least 1½%. To this it is necessary to add the cost of maintenance and collection of revenues. The actual expenditure on maintenance and administration may come to as much as Rs. 2 or Rs. 3 per acre of the area irrigated. In fact, for the Sone Canal system it has been nearly Rs. 2-8-0 per acre of the area irrigated, and yet it has been known that maintenance has been inadequate, and very much improved maintenance and better administration are required. The cost of new irrigation projects that are being taken up now has been found to be

विधान कार्य : सरकारी विधेयक :
बिहार पंचायत राज (अमेन्डमेन्ट) बिल, १९५४
(१९५४ की बि० संख्या ३६।)

Legislative Business : Official Bills :

THE BIHAR PANCHAYAT RAJ (AMENDMENT) BILL, 1954.
(BILL NO. 36 OF 1954).

श्री जुनूस सुरीन—अध्यक्ष महोदय, हमारा जो मोशन है उसके लिए जवाब देने के लिए मौका मिलेगा या नहीं ?

अध्यक्ष—आप बैठे रहें। आपका जो हक है वह कोई नहीं छीनेगा।

*Shri BHOLA PASWAN : Sir, I beg to move :

That the consideration of the Bihar Panchayat Raj (Amendment) Bill, 1954 and the motions connected therewith be adjourned till tomorrow, the 30th September, 1954.

*SPEAKER : The question is :

That the consideration of the Bihar Panchayat Raj (Amendment) Bill, 1954 and the motions connected therewith be adjourned till tomorrow, the 30th September, 1954.

The motion was adopted.

बिहार कंट्रोल ऑफ दी यूस ऐंड प्ले ऑफ लाउडस्पीकर्स बिल, १९५४
(१९५४ की बि० सं० ३५।)

THE BIHAR CONTROL OF THE USE AND PLAY OF LOUDSPEAKERS BILL,
1954 (BILL NO. 35 OF 1954).

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—मैं प्रस्ताव करता हूँ कि बिहार कंट्रोल ऑफ दी यूस ऐन्ड प्ले ऑफ लाउडस्पीकर्स बिल, १९५४ पर विचार हो।

अध्यक्ष महोदय, जो मौजूदा कानून बिहार कंट्रोल ऐन्ड यूस ऑफ लाउडस्पीकर्स ऐक्ट, १९५४ है उससे लोगों को सुविधा तो अवश्य हुई है, मगर साथ-साथ इसमें कुछ त्रुटियाँ भी रह गयी थीं और जितना जनता को लाभ होना चाहिए था उतना लाभ जनता को नहीं हो रहा है। पहली त्रुटि तो यह है कि नगरपालिका क्षेत्र के बाहर और शहर के बाहर लाउडस्पीकर पर किसी तरह का प्रतिबन्ध नहीं है और नगरपालिका क्षेत्र में भी ५ बजे सुबह से ११ बजे रात तक लाउडस्पीकर को बजाने के लिए लोगों पर प्रतिबन्ध नहीं है। इतनी शर्त रख दी गयी है कि किसी अस्पताल के ४०४ गज के अन्दर लाउडस्पीकर ५ बजे सुबह से ११ बजे रात तक नहीं बजाया जा सकता है। इस मौजूदा कानून में कोई ऐसा प्रतिबन्ध नहीं है जिससे विद्यार्थी, होस्टल या किसी स्कूल के नजदीक लाउडस्पीकर को बजाने से रोका जाय। इसलिए यह बिल लाया गया है कि जो अड़चन जो कठिनाई नजर में आयी है उनको दूर कर दिया जाय। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को मानता हूँ और मैं समझता हूँ कि अगर मैं इस तरह का बयान दे दूँ तो शायद हाउस का कम समय लगेगा। इस बिल में समाज के द्वारा लाउडस्पीकर के इस्तेमाल किये जाने के हक को कम करने की चेष्टा की जा रही